INDIA NON JUDICIAL

1000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

विदित हो कि उक्त सम्पत्ति की नीलामी हेतु निष्पादन [illegible] - 2 वर्ष 1967 चलाया गया जिसमें उक्त सम्पत्ति दिनांक 26-5-1969 को नीलाम हुई जिसमें विक्रेता होटल (कन्ट्रेल) प्राईवेट लिमिटेड द्वारा सबसे ऊँची बोली देकर उक्त सम्पत्ति को क्रय किया गया जिसकी पुष्टि न्यायालय द्वारा दिनांक 14 अप्रैल वर्ष 1982 को हुई और उसके अनुपालन में विधिवत विक्रय प्रमाण पत्र (सेलसर्टिफिकेट) श्री एन०एस० अन्सारी, विद्वान सिविल जज, जिला देहरादून के न्यायालय से दिनांक 3 जून वर्ष 1982 को निर्गत किया गया जिसकी निबन्धन संयुक्त उप निबंधक, मसूरी के कार्यालय में पुस्तक संख्या- 1 की बही संख्या- 101 के पृष्ठ 264- 265 पर क्रमांक 60 से दिनांक 10 जून वर्ष 1982 को हुआ।

(क्रमशः पेज........4)

Birmla Garg

NOTARY ... Singh Negi ADVOCATE ... District ... OF UTT...

133/2003

SALE DEED

Consideration ...

2, 52, 500/-

Market value on which stamp duty paid ... 3, 89, 000/-

No. of stamp sheets ... 15

Stamp duty ... Avas Vikas duty ... Total Stamp paid ...

Where as 38, 900/- ... कुछ नहीं ... 38, 900/-

1— श्री जगदीश प्रसाद पुत्र स्व. [illegible], [2] श्री [illegible] पुत्र श्री जगदीश प्रसाद [3] श्री [illegible] कुमार पुत्र श्री [illegible] दास [4] श्रीमती [illegible] पत्नी श्री अशोक कुमार निवासी— [illegible], मसूरी, [5] श्री संजय कुमार पुत्र श्री ज्ञानचन्द दास, [6] श्री दीपक [illegible] पुत्र श्री मोहन लाल, निवासीगण— [illegible], मसूरी, [7] श्रीमती [illegible] पत्नी श्री मोहन लाल [illegible] निवासिनी— [illegible],

are absolute proprietors of the property detailed in the end and plan to the [illegible] sell to ...

1:— श्रीमती नसीम बानो पत्नी श्री मोहम्मद यासीन, व [2] श्री मोहम्मद आसिफ पुत्र श्री मोहम्मद यासीन, निवासीगण— [illegible], मसूरी।

In consideration of Rs. ... 2, 52, 000/- ... received as follows ...

... विक्रय पत्र में वर्णित है।

... witnesses.

विक्रय पत्र में वर्णित है।

Scanned with CamScanner

इस बही संख्या पुस्तक सं० ....
का नम्बर .... [illegible]
को किया।
1 OCT 2003 उप रजिस्ट्रार [illegible]

विक्रय पत्र 2,52,500/- 3,87,000
रजिस्ट्रेशन शुल्क 5050=00 मिलान 10=00 योग 5060=00
श्रीमती नसीम खान ---- शब्द लगभग 1000
पुत्री श्री मो० यासीन ----
निवासी स्वाय हैवेन माल रोड नजदीक गढ़ीखाना मसूरी ने स्वयं एवं
श्री आमिर पुत्र श्री मो० यासीन
निवासी उपरोक्त ने कीमत पर
कार्यालय उप निबन्धक मसूरी
देहरादून में प्रस्तुत की
दिनांक 9-X-2003 को समय 4 से 5 बजे बीच

उप निबन्धक
मसूरी क्षेत्र

[illegible]

इस लेख पत्र का निष्पादन व प्रतिफल धन रु० 2,52,500/- (दो लाख बावन हजार पांच सौ मात्र) वर्णित अभिलेखानुसार प्रथम पक्ष श्री जगदीश प्रसाद पुत्र स्व० लाला [illegible] राम एवं श्री [illegible] पुत्र लाला [illegible] प्रसाद एवं श्री [illegible] कुमार पुत्र [illegible] एवं श्रीमती अर्चना [illegible] पत्नी श्री [illegible] कुमार निवासी [illegible] चौक मसूरी एवं श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible] दास एवं श्री दीपक गोयल पुत्र श्री मोहन लाल निवासीगण [illegible] मसूरी एवं श्रीमती निर्मला गर्ग पत्नी श्री मोहन लाल गर्ग निवासी [illegible] बाजार मसूरी ने स्वीकार किया तथा प्रस्तुतकर्ता श्रीमती नसीम खान एवं मो० आमिर [illegible] ने भी स्वीकार किया

GOVT. [illegible] KHAND

Scanned with CamScanner

1 OCT 2003 BB 098609

133/2003

• विक्रय-विलेख
============

यह विक्रय - विलेख आज दिनांक 9 अक्टूबर 2003 को स्थान
मसूरी जिला- देहरादून में [1] श्री जगदीश प्रसाद पुत्र स्व. लाला भिखड़ी राम , [2]
श्री ज्ञान प्रकाश पुत्र लाला जगदीश प्रसाद , [3] श्री अजय कुमार पुत्र श्री रामेश्वर दा?
[4] श्रीमती अर्चना देवी पत्नी श्री अशोक कुमार , चारो निवासीगण गान्धी चौक ,
मसूरी जिला- देहरादून , [5] श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री ज्ञानेन्द्र दास , [6] श्री
दीपक गोयल पुत्र श्री मोहन लाल , दोनो निवासीगण घंटाघर , लण्ढौर मसूरी जिला
देहरादून, [7] श्रीमती बिमला गर्ग पत्नी श्री मोहन लाल गर्ग निवासिनी कुलड़ी बाजा
, मसूरी जिला- देहरादून जिन्हें एतद्पश्चात सम्मिलित रूप से विक्रेता कहा गया है ।
एवं श्रीमती नसीम बानो पत्नी श्री मोहम्मद यासीन व श्री मोहम्मद आमिर पुत्र श्री
मोहम्मद यासीन दोनो निवासीगण- सवाय होटल आउट हाउस , पास गाड़ीखाना
, लायब्रेरी , मसूरी जिन्हें एतद्पश्चात सम्मिलित रूप से "क्रेता" कहा गया है के
मध्य निष्पादित किया गया ।

विदित हो कि विलेख दिनांक 4 जनवरी वर्ष 1867 जिसका
निबन्धन रजिस्ट्रार जनरल एस्यूरेन्स , बंगाल के कार्यालय में बही संख्या 1 की पुस्त
संख्या- 2 के पृष्ठ- 1 में क्रमांक 2 वर्ष 1867 में हुआ , श्री जॉन हेनरी प्राट ,
आर्कडिकोन , कलकत्ता ने स्वयं के व कलकत्ता के अन्य उत्तराधिकारी आर्कडिकोन के
लाभार्थ सम्पत्ति जिसको उस "मसूरी स्कूल एस्टेट" नाम से जाना जाता था , अर्जित की
तदपरांत पैट्रीक जॉर्ज डोकर लिंकन बैरिस्टर एट लॉ , लखनऊ निवासी ने कलकत्ता के
तत्कालीन आर्कडिकोन श्री आर्थर एडवर्ड स्टीन से विक्रय पत्र दिनांक 1 जनवरी वर्ष का
1867 द्वारा जिसका निबन्धन कलकत्ता के रजिस्ट्रार कार्यालय में क्रमांक 397 पर
बही संख्या- 1 की पुस्तक संख्या- 13 के पृष्ठ 116-122 पर 21 मार्च वर्ष 1901 को
हुआ , उक्त सम्पत्ति को क्रय किया । उक्त श्री पैट्रीक जार्ज डोकर लिंकन का दिनांक 9 ,
नवम्बर 1934 को देहान्त होने के उपरान्त उनके अन्तिम इच्छापत्र का वसीयती वाद

[क्रमशः पेज..../2]

Bimla Garg नसीम बानो

भारतीय गैर न्यायिक
INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये
RUPEES FIFTEEN THOUSAND

Rs.15000

भारत INDIA

OCT 2003 IBB 098608

- 2 -

संख्या- 3 वर्ष 1934 न्यायालय चीफ कोर्ट आफ अवध से प्रोबेट प्राप्त करने के उपरान्त उनके उत्तराधिकारी श्री सीरील डोवर लिं.न द्वारा उक्त सम्पत्ति के जो कि उस समय तक सेवाय होटल एस्टेट के नाम से विख्यात हो चुकी थी, के एकमात्र स्वामी व अधिकारी के नाते उक्त सम्पत्ति कैप्टन स्व. राय साहब कुमारराम निवासी- 21 ईस्ट कैनाल रोड देहरादून को सर्वाधिकार सहित विक्रय पत्र दिनांक 21 जून वर्ष 1946 पंजीकृत बही संख्या- 1 की पुस्तक संख्या- 27 के पृष्ठ 243 से 253 में क्रमांक 59 में कार्यालय ज्वाइन्ट सब रजिस्ट्रार मसूरी में विक्रय किया गया । और

विदित हो कि उक्त कैप्टन राय साहब कुमारराम द्वारा पंजाब नेशनल बैंक से उक्त सम्पत्ति बंधक रखकर ऋण लिया गया था जिसके समायोजन हेतु उक्त राय साहब कैप्टन कुमारराम द्वारा ट्रिब्यूनल [डेट एडजेस्टमेन्ट] देहरादून के समक्ष विधिवत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जो कि वाद संख्या- 815 वर्ष 1952 कैप्टन कुमारराम विपरीत पंजाब नेशनल बैंक के नाते पंजीकृत हुआ । इस वाद में निर्णय व आदेश दिनांक 31 जनवरी वर्ष 1963 द्वारा पंजाब नेशनल बैंक के पक्ष में उक्त कैप्टन कुमारराम के विरुद्ध सम्पत्ति के नीलाम से वसूली हेतु डिक्री पारित की गयी ।

[क्रमशः पेज.../3]

Bimla Garg

NOTARY

UTTAR

OCT 2003

पहचान श्री एन० के० गर्ग
पुत्र श्री वेद प्रकाश गर्ग
निवासी ओकलैण्ड कोर्ट मसूरी
व श्री मो० यासीन
पुत्र श्री मो० अयूब
निवासी लायब्रेरी मसूरी
ने की ।

उप निबन्धक
मसूरी क्षेत्र

लसीनक खां   M. Aamir

Schwarting   Bimla Garg

नि० अ० श्रीमती नसीम बानो

निष्पादन स्वीकार किया गया
पश्चात प्रतिफल को जो नि० अ० देने से इन्कार किया

नि० अ० श्री मो० आमिर

उप निबन्धक
मसूरी क्षेत्र

नि० अ० श्री जगदीश प्रसाद

नि० अ० श्री सेफ

Scanned with
CamScanner

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

होटल (कंट्रोल) प्रा० लि० को नीलाम में खरीदी गयी उपरोक्त सम्पत्ति का वास्तविक कब्जा व अधिकार मिला और उसी समय से होटल कंट्रोल प्रा० लि० उक्त सम्पत्ति पर एकमात्र स्वामी व अधिकारी के नाते आरूढ हो गये

विदित हो कि सम्पूर्ण सम्पत्ति में से 3.067 एकड (तीन दशमलव शून्य छः सात एकड) भूमि पंजीकृत विक्रय विलेख जो कि बही संख्या- 1 जिल्द 134 के पन्ने 323 वस्पा एडी० बही संख्या- 1, की जिल्द 195 के पन्ने 205 से 300 में नम्बर 625/ 90 पर दिनांक 23.11.1990 के द्वारा विक्रेतागणों द्वारा क्रय की गयी और वह अपने अपने हिस्से के स्वामी हुये। विक्रेतागण- श्री जगदीश प्रसाद पुत्र स्व. लाल मिलकी राम 10 प्रतिशत, (2) श्री ज्ञान प्रकाश पुत्र लाल जगदीश प्रसाद 30 प्रतिशत, (3) श्री [illegible] कुमार पुत्र श्री रामेश्वर दास 20 प्रतिशत (4) श्रीमती अर्चना देवी पत्नी श्री अशोक कुमार 10 प्रतिशत, (5) श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री जगमन्दर दास 10 प्रतिशत, (6) श्री दीपक गोयल पुत्र श्री मोहन लाल 10 प्रतिशत, (7) श्रीमती विमला गर्ग पत्नी श्री मोट लाल गर्ग 10 प्रतिशत के स्वामी हुये।

(क्रमशः पेज..../5)

Bimla Garg

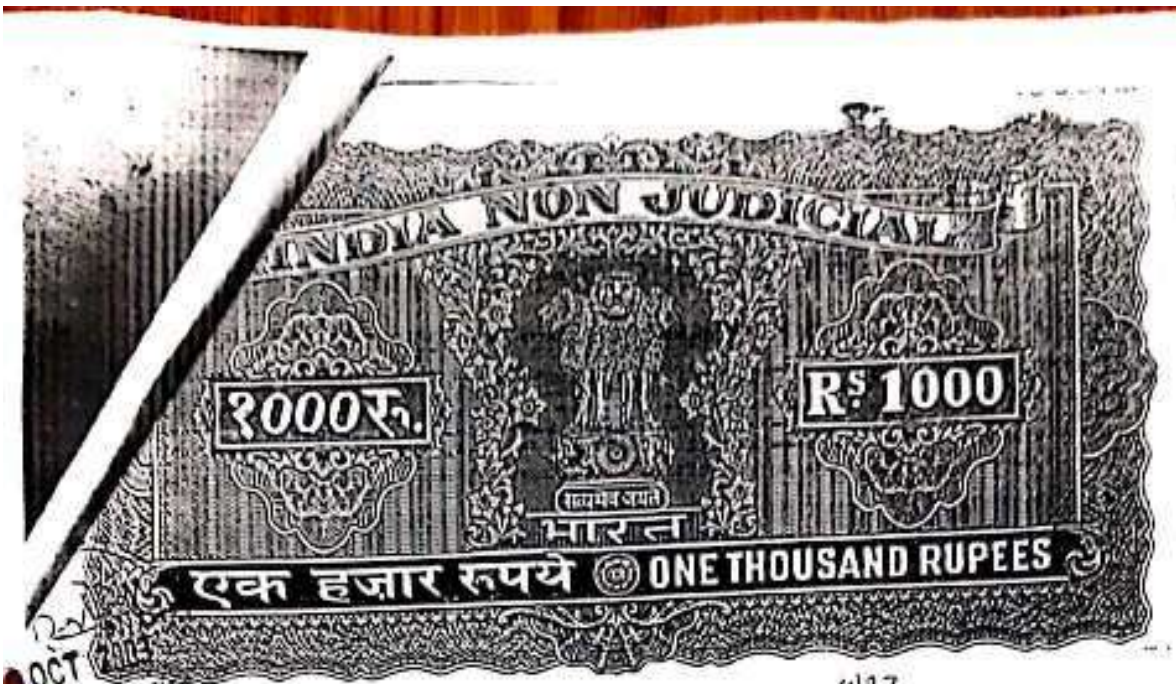

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

0127

यह कि विक्रेतागण उपरोक्त सम्पत्ति में स्थित आउट हाउस में से उक्त आउट हाउस का वह भाग जिसका क्षेत्रफल 1221 वर्ग फिट अर्थात 113 वर्ग मीटर है तथा जिसमें दो-मंजिला भवन निर्मित है तथा उक्त आउट हाउस 100 वर्ष पुराना है तथा जो कि संलग्न मानचित्र में लाल रंग से प्रदर्शित है क्रेतागण को निम्नलिखित विवरणों के साथ पूर्ण रूप से विक्रय करते हैं ।

उपरोक्त सम्पत्ति 2,52,500/- (दो लाख बावन हजार पाँच सौ) रु. में विक्रय की गयी है । विक्रय मूल्य 2,52,500/- रु. निम्न प्रकार से क्रेतागण से विक्रेतागणों ने इस विक्रय पत्र के निबन्धन हेतु उप निबंधक मसूरी जिला देहरादून के कार्यालय में उनके समक्ष निम्न प्रकार प्राप्त कर लिये हैं :-

(क्रमशः पेज..../6)

Bimla Garg

Rajender Singh Negi
Advocate
Dehradun District
Uttarakhand

Scanned with CamScanner

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

.176

	पेय आर्डर नं.	दिनांक	बैंक	नाम	धनराशि
1-	143591	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	जगदीश प्रसाद	25, 250/- रु.
2-	143592	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	ज्ञान प्रकाश	75, 750/- रु.
3-	143593	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	श्रवण कुमार	50, 500/- रु.
4-	143594	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	श्रीमति अर्चनादेवी	25, 250/- रु.
5-	143595	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	संजय गुप्ता	25, 250/- रु.
6-	143596	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	दीपक गोयल	25, 250/- रु.
7-	143597	29. 9. 2003	पंजाब नैशनल बैंक	बिमला गर्ग	25, 250/- रु.

कुल - 2, 52, 500/-00 रु.

[क्रमशः पेज......7]

Archana Garg

Bimla Garg

M. Amit

नसीम

N.O. ... Singh Negi Advocate ... District ... UTTARAKHAND

Scanned with CamScanner

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

उपरोक्त वर्णित सभी पेय आर्डर सम्बन्धित बैंक की मसूरी शाखा से बनवाये गये है । इस प्रकार सम्पूर्ण विक्रय मूल्य विक्रेतागण को क्रेतागण से प्राप्त हो गया है जिसकी प्राप्ति विक्रेतागण एतद्द्वारा स्वीकार करते है । शेष कुछ लेना देना नही रहा है । विक्रय मूल्य के प्रतिफल में विक्रेतागण ने सम्पति जिसका यथा सम्भव विवरण इस विक्रय पत्र के अन्त में दिया गया है तथा जिसको संलग्न मानचित्र में लाल रंग से प्रदर्शित किया गया है क्रेतागण को पूर्ण रूप से विक्रय करके अपने स्वामित्व व अधिकार से निकाल कर क्रेतागण के स्वामित्व व अधिकार में देकर उस पर क्रेतागण को अपने तुल्य संम्पति स्वामी व अधिकारी बनाकर उस पर काबिज व आरूढ कर दिया है । क्रेतागण व उसका परिवार उपरोक्त संम्पति में बतौर किरायेदार पिछले 50 वर्षो से चले आ रहे थे । जो जो अधिकार विक्रित सम्पति में विक्रेता को प्राप्त थे अथवा प्राप्त होने सम्भव थे उन सबके आज से अधिकारीगण क्रेतागण हो गये है ।

विक्रित संम्पति मौके पर वर्तमान वास्तविक स्थिति में अर्थात ऐज इज व्हेयर इज बेसेस पर विक्रय की गयी है ।

क्रेतागण को अधिकार होगा कि वह विक्रित संम्पति को अपने लाभार्थ विक्रय , दान , आदि करें अथवा अपने पास रखें उसमें अपनी इच्छा अनुसार निर्माण करें , पुर्ननिर्माण करें आवासीय , अनवासीय उद्योग आदि कार्य में प्रयोग करें , किरायेदार आदि रखें , अभिप्राय यह है कि विक्रित संम्पति पर काबिज रहकर जिस प्रकार भी चाहे अपने पूर्ण उपयोग व उपभोग में लावें , विक्रय बंधक आदि करें विक्रेतागण को इसमें कोई आपत्ति किसी प्रकार की नही होगी ।

{क्रमशः पेज..../8}

Binita Garg

Scanned with CamScanner

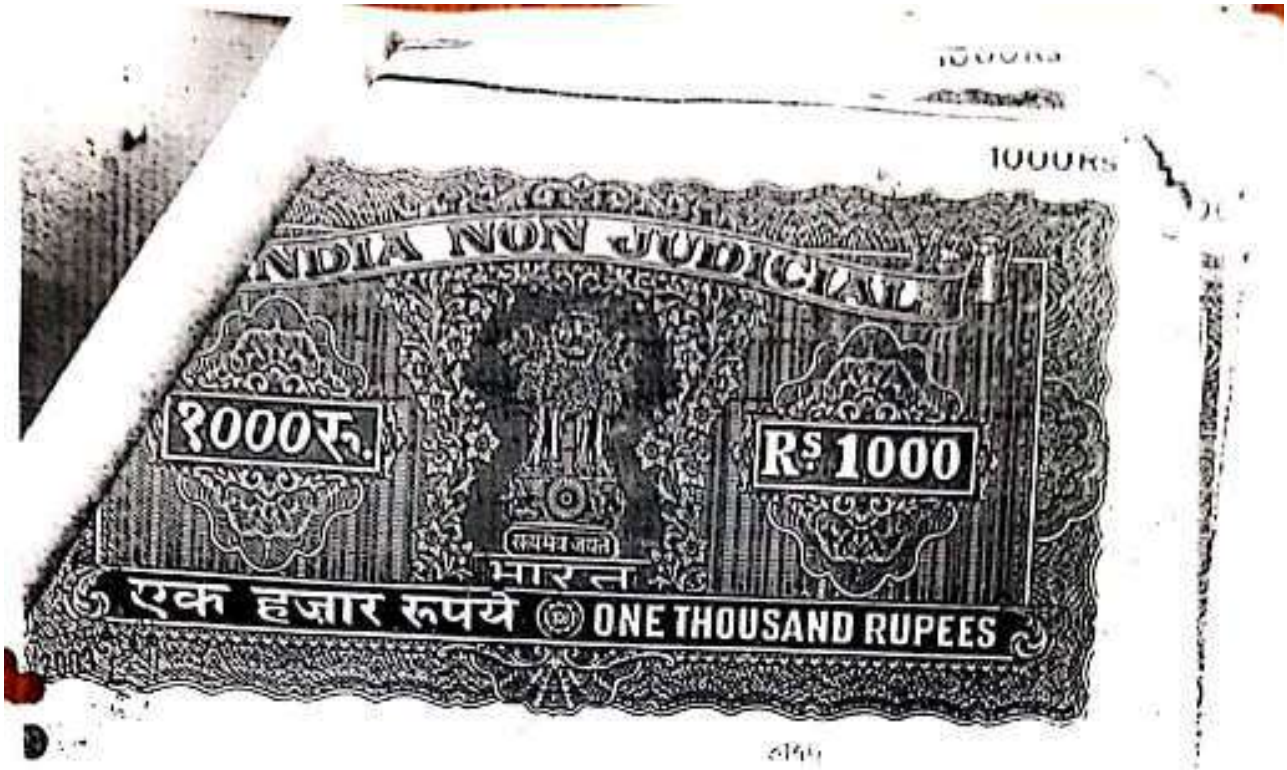

विक्रित सम्पत्ति हर प्रकार के भार , बंन्धन कुर्की , रहन , जमानत , वाद- विवाद आदि से मुक्त एवं स्वच्छ है और इसी प्रकार मुक्त एवं स्वच्छ विक्र की गयी है ।

(क्रमशः पेज..../9)

Bimla Garg

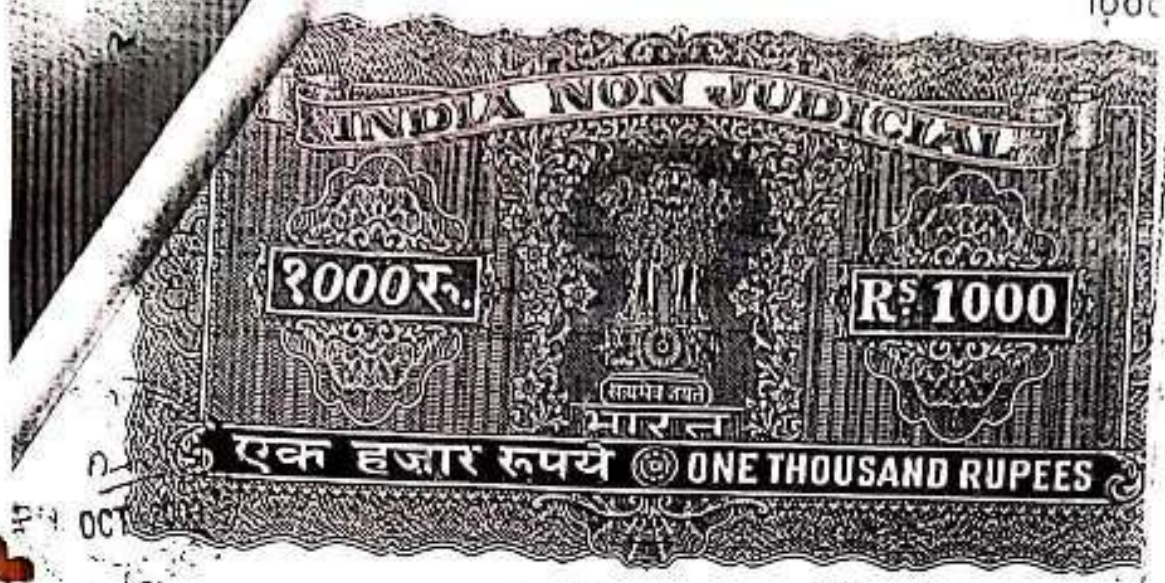

1000

क्रेतागणो को अधिकार होगा कि नगर पालिका अभिलेखो स्वामित्व से सम्बन्धित कार्यवाही करें और बतौर स्वामी अपना नाम नगर पालिका अभिलेखो में दर्ज करवा लें इसमें विक्रेतागणो को कोई आपत्ति किसी की नही होगी ।

(क्रमशः पेज..../11)

NOTARY

Scanned with CamScanner

500Rs

1 OCT 2003

विक्रित संपत्ति से सम्बन्धित आज तक के समस्त सरकारी कर अथवा अन्य देय जिस किसी भी विभाग के विक्रेतागण के नाम देय होंगे उनको देने की जिम्मेदारी विक्रेतागण की होगी और आज के पश्चात समस्त कर देने की जिम्मेदारी क्रेतागण की होगी । संपत्ति क्योंकि क्रेतागण की किरायेदारी में पिछले 50 वर्षों से है इसलिये बिजली , पानी इत्यादि का बिल क्रेतागणो के नाम से पहले से ही चला आ रहा है इसमें विक्रेतागणो से कोई सम्बंध नहीं है ।

(क्रमशः पेज..../12)

Bimla Garg

NOTARY ... UTTARAKHAND

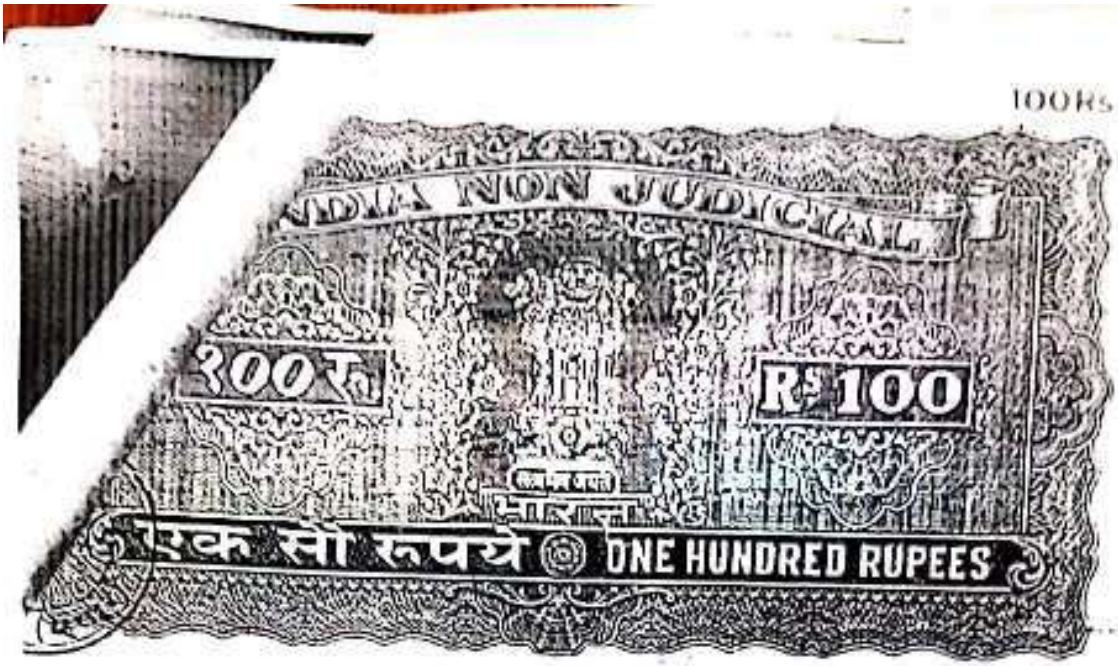

100Rs

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.　　Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

OCT 2003

यह कि उपरोक्त संम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का कोई भार नहीं है और न विक्रेतागण ने स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति के पक्ष में प्रतिभूत है और न किसी न्यायालय की डिक्री में कुर्क है। यदि किसी की दावेदारी से विक्रित संम्पत्ति भविष्य में क्रेतागण के कब्जे से इस कारण से निकल जाय कि यह संयुक्त हिन्दू परिवार सम्मिलित कुल के हित में नहीं है अन्यथा विधिक आवश्यकता नहीं है या इस बिना पर कि ऐसे दावेदार का भी विक्रित संम्पत्ति में कोई हक या हिस्सा है या विक्रेतागण के किसी कार्य से क्रेतागण के अधिकारों में पूर्णतः या भागतः क्षति पहुँचे तो क्रेता को अधिकार होगा कि वह अपना जिस कदर नुकसान हो विक्रेतागण से या उनके उत्तराधिकारियों से प्राप्त कर लें।

(कृपया: पेज..../13)

Archana Garg

Bimla Garg

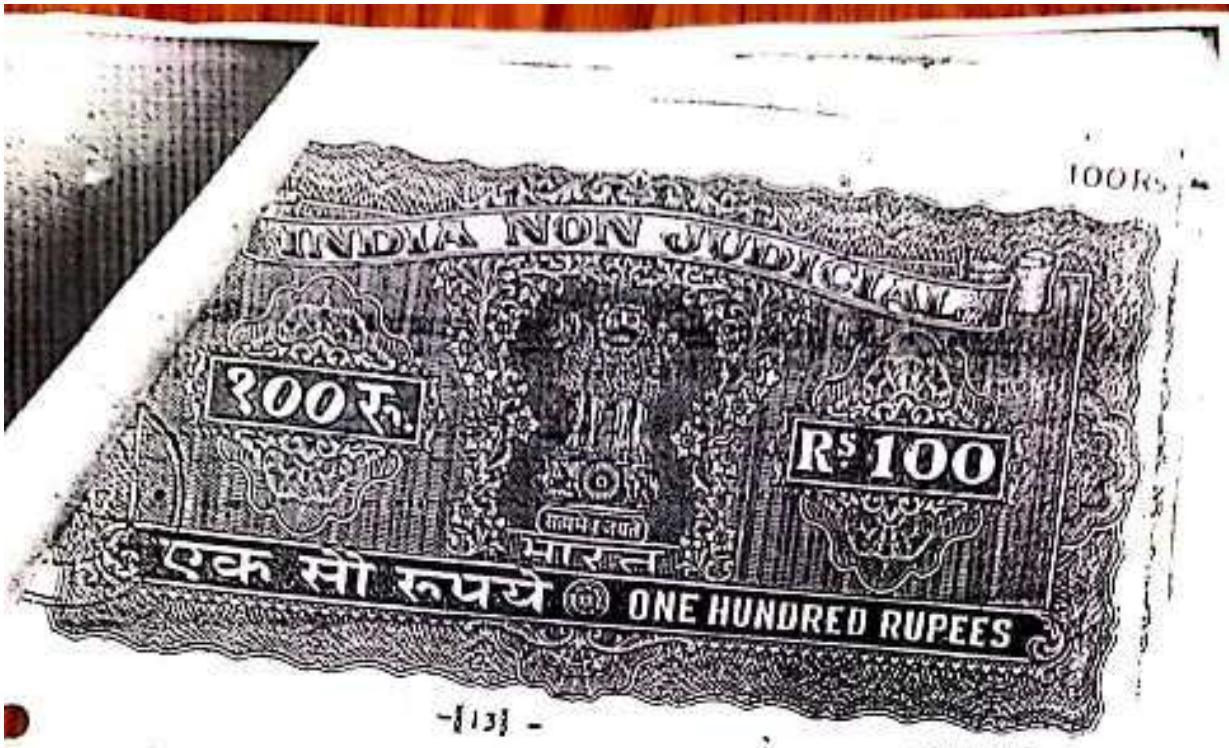

OCT 2003

इस विक्रय पत्र में सन्दर्भानुसार पक्षों के साथ उनके अपने अपने उत्तराधिकारी, विधिक विहित प्रतिनिधि, समनुदेशितीगण, स्थानापन्न आदि का भी समावेश है व समझा जायेगा।

विक्रीत संम्पत्ति सरकारी मार्केट रेट के हिसाब से कीमत लगभग 3,89,000/- रू. आती है जिस पर विधिवत स्टाम्प शुल्क अदा किया गया है।

{क्रमशः पेज..../14}

Scanned with CamScanner

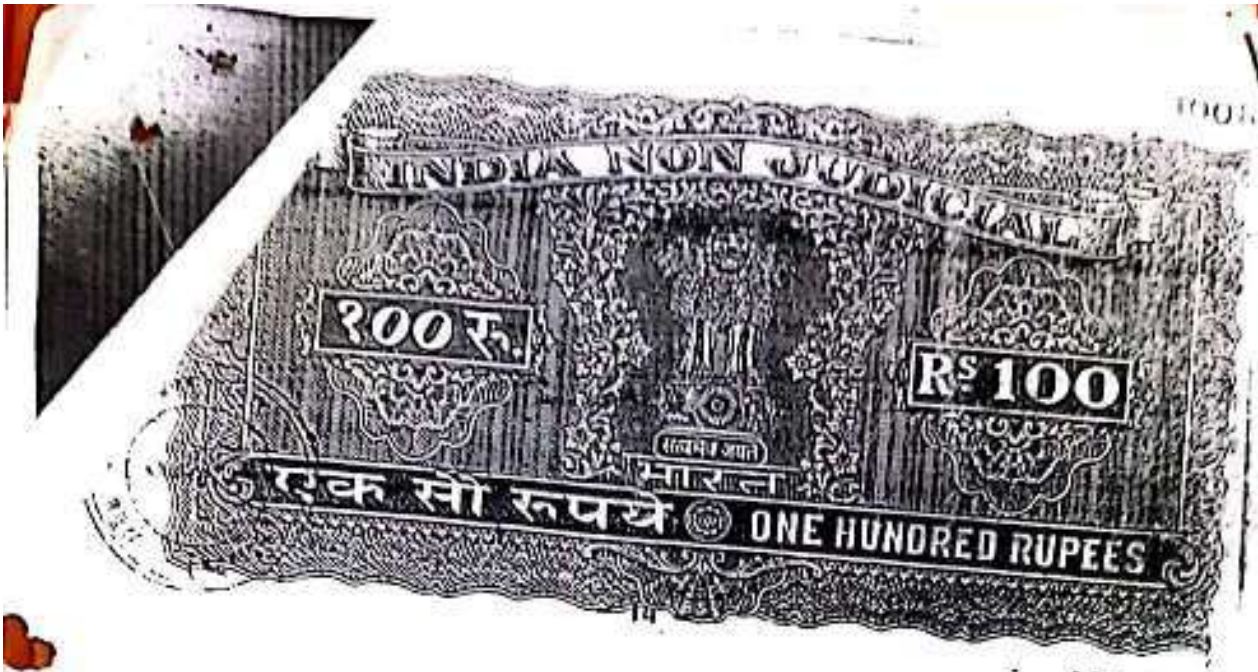

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

OCT 2009

§ विवरण विक्रित सम्पत्ति §

=====================

वह समस्त सम्पत्ति जिसका क्षेत्रफल 1221 वर्ग फिट अर्थात् । वर्ग मीटर है तथा जिसमें दो मंजिला भवन निर्मित है तथा जो कि संलग्न मानचित्र में लाल रंग से प्रदर्शित है तथा जिसकी सीमाये निम्नवत् है :-

पूरब में :	:	विक्रेतागण
पश्चिम में:	:	कॉमन रास्ता व सम्पत्ति विक्रेता
उत्तर में :	:	कॉमन पैसेज व सम्पत्ति विक्रेता
दक्षिण में :	:	पुश्ता व रास्ता §कॉमन पैसेज §

क्रमशः पेज.../15§

NOTARY Surendra Singh Negi Advocate Dehradun District

एडवोकेट एवं उनके...

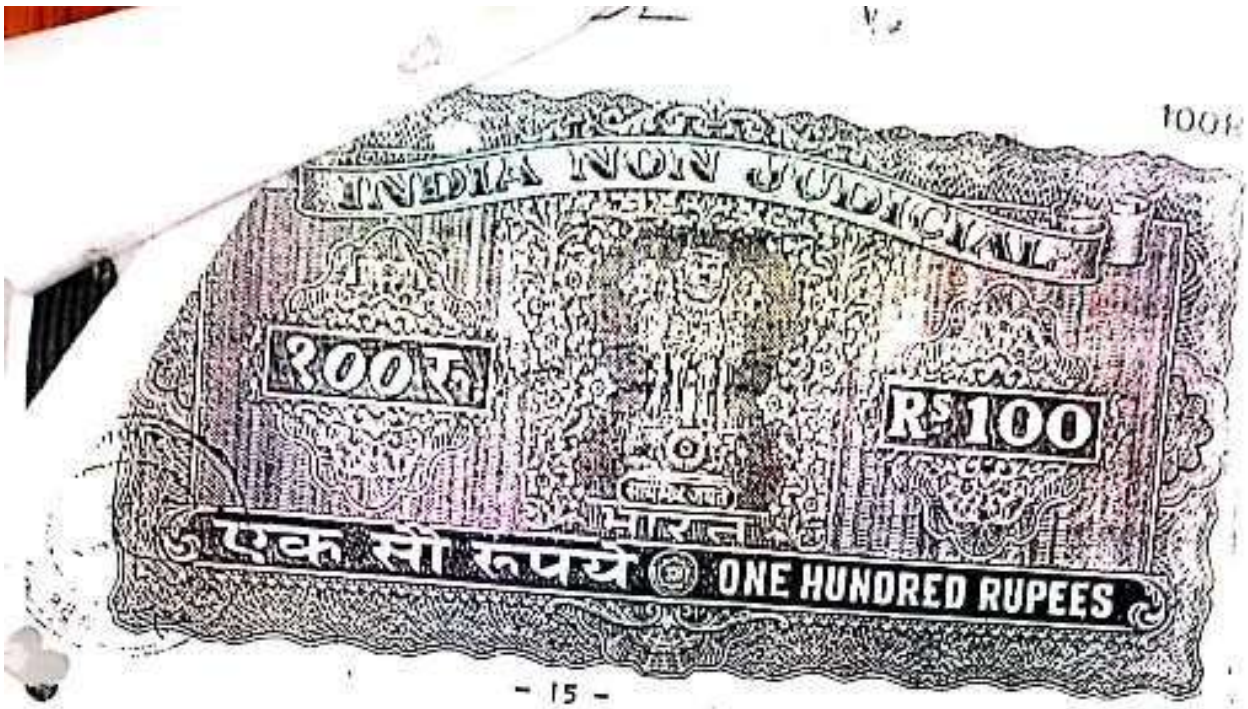

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

- 15 -

.. OCT 2019

1- श्री जगदीश प्रसाद

2- श्री ज्ञान प्रकाश

3- श्री श्रवण कुमार

4- श्रीमती अर्चना देवी

साक्षीगण:-   5-श्री संजय गुप्ता

6- श्री दीपक गोयल

1:- C.A. Garg S/o C. ... Prasad Garg ... College Mussoorie

7- श्रीमती विमला गर्ग — Bimla Garg

ATTESTED

2:- Mohd Yaseen

Mohd Yaseen S/o Mohd Ayyub ... Mussoorie

(विक्रेतागण)

1- श्रीमती नसीम बानो

2- मोहम्मद आमिर

रचियता श्रीमती अर्चना एवं ऐडवोकेट एवं उनके कार्यालय

टंकित